No. of Printed Pages : **7**

BPY-011

01575

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

June, 2013

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-011 : PHILOSOPHY OF HUMAN PERSON

*Time : **3** hours* *Maximum Marks : **100***

Note : *(i) Answer all **five** questions.*

*(ii) All questions **carry equal** marks.*

*(iii) Answer to question no. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

---

1. Explain Martin Buber's intersubjective concept of the human person in detail. 20

OR

What do you understand by the phenomenon of death ? Examine the theory of transmigration. 20

2. Define human intellect. How would you prove the existence of the intellect ? 20

OR

Illustrate western concepts of human person in detail. 20

3. Answer *any two* of the following in about *200* words each.

(a) Reflect on the importance of the study of philosophy of human person. 10

(b) What do you understand by the evolutionary theories on the origin of human ? 10

(c) Discuss the proofs for the immortality of soul. 10

(d) Prove the existence of will and demonstrate the freedom of the will. 10

4. Answer *any four* of the following in about *150* words each.

(a) What is human right ? 5

(b) What do you understand by determinism ? 5

(c) Is there any inter-relationship between soul and body ? 5

(d) Describe synthetic theory of evolution. 5

(e) How is the concept of human person mentioned in the Upanisads ? 5

(f) What is the first level of liberation in Levinas ? 5

5. Answer *any five* of the following in about *100* words each.

(a) Theocentricism 4

(b) Gender - just society 4

(c) Elements of culture 4

(d) Inter-subjectivity 4

(e) Kinds of good 4

(f) Memory and Imagination 4

(g) R.N.A 4

(h) Human person in Confucian thought 4

बी.पी.वाई. - 011

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-011 : मानव-व्यक्ति दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

*(ii) सभी प्रश्नों के **अंक समान** हैं।*

*(iii) प्रश्न संख्या **1** और **2** में प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. मार्टिन बुबर के मानव-व्यक्ति के अन्तरविषयी (intersubjective) प्रत्यय की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

मृत्यु-संघटना से आप क्या समझते हैं? आत्म के प्रवास- (transmigration) सिद्धांत का परीक्षण कीजिए। 20

2. मानव-बुद्धि को परिभाषित कीजिए। आप बुद्धि के अस्तित्व को कैसे सिद्ध करेगें? 20

अथवा

पाश्चात्य दर्शन में प्रस्तुत मानव-व्यक्ति के प्रत्यय का विस्तार से वर्णन कीजिए। 20

3. *किन्हीं दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *200* शब्दों में दीजिए।

(a) मानव-व्यक्ति दर्शन के अध्ययन के महत्व पर प्रकाश डालिये। 10

(b) आप मानव की उत्पत्ति सम्बंधी उद्विकास सिद्धांत (evolutionary theory) से क्या समझते हैं? 10

(c) आत्मा की अमरता के पक्ष में प्रस्तुत प्रमाणों की विवेचना कीजिए। 10

(d) इच्छा का अस्तित्व सिद्ध कीजिए और 'इच्छा की स्वतन्त्रता' को प्रदर्शित कीजिए। 10

4. *किन्हीं चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए।

(a) मानव अधिकार क्या हैं? 5

(b) नियतिवाद से आप क्या समझते हैं? 5

(c) क्या आत्मा और शरीर के मध्य किसी प्रकार का आन्तरिक सम्बंध है? 5

(d) विकास के संश्लेषणात्मक सिद्धांत का वर्णन कीजिए। 5

(e) उपनिषद् में मानव-व्यक्ति के प्रत्यय को कैसे प्रस्तुत किया गया है? 5

(f) लेविनास के दर्शन में मुक्ति का प्रथम स्तर क्या है? 5

5. ***किन्हीं पाँच*** प्रश्नों पर लगभग ***100*** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

(a) ईश्वरकेन्द्रित वाद (Theocentricism) 4

(b) लिंग-निरपेक्ष (Gender-just) समाज 4

(c) संस्कृति के तत्व 4

(d) अन्तरविषयीता 4

(e) शुभ के प्रकार 4

(f) स्मृति और कल्पना 4

(g) आर.एन.ए. (R.N.A.) 4

(h) कन्फ्यूशियन दर्शन में मानव-व्यक्ति 4